कक्षा-10

लोकतांत्रिक राजनीति

भाग-2

सामाजिक विज्ञान

लोकतांत्रिक राजनीति

भाग-2

कक्षा-10

(राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार द्वारा विकसित)
बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड

प्राक्कथन

शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के निर्णयानुसार अप्रैल-2009 से प्रथम-चरण में राज्य के कक्षा IX हेतु नए पाठ्यक्रम लागू किया गया। इस क्रम में शैक्षिक सत्र-2010 के लिए वर्ग I, III, VI एवं X की सभी भाषायी एवं गैर-भाषायी पुस्तकों का पाठ्यक्रम लागू किया गया। इस नए पाठ्यक्रम के आलोक में एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली द्वारा विकसित वर्ग X की गणित एवं विज्ञान तथा एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार, पटना द्वारा विकसित वर्ग I, III, VI तथा X की सभी पुस्तकें एवं शैक्षिक सत्र-2011 में वर्ग II, IV, VII तथा शैक्षिक सत्र-2012 में वर्ग V एवं VIII की सभी पुस्तकें बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम द्वारा आवरण चित्रण कर मुद्रित की गई हैं।

बिहार राज्य में विद्यालयीय शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए माननीय मुख्यमंत्री, बिहार, श्री नीतीश कुमार, शिक्षा मंत्री, श्री पी० के० शाही एवं शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव, श्री आर०के०महाजन के मार्ग दर्शन के प्रति हम हृदय से कृतज्ञ हैं।

एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली तथा एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार, पटना के निदेशक के हम आभारी हैं, जिन्होंने अपना सहयोग प्रदान किया।

बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षाविदों की टिप्पणियों एवं सुझावों का सदैव स्वागत करेगा, जिससे बिहार राज्य को देश के शिक्षा जगत में उच्चतम स्थान दिलाने में हमारा प्रयास सहायक सिद्ध हो सके।

वि० एम० पटेल, आई.टी.एस

प्रबन्ध निदेशक

बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम लि०, पटना।

आमुख

यह पुस्तक राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 एवं बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2006 के आलोक में विकसित नवीन पाठ्यक्रम 2009 के आधार पर तैयार की गई है। वर्ष 2010 में नये पाठ्यक्रम के आलोक में तैयार यह पुस्तक दशम् वर्ग हेतु लागू होने जा रही है।

इस पुस्तक के विकासक्रम में इस बात पर ध्यान दिया गया है कि शिक्षार्थियों को स्कूली जीवन के बाहर आस-पास से अनुभवों के साथ जोड़ते हुए विषय-सामग्री से परिचित कराया जाए, क्योंकि राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 ई० एवं बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2009 का मूल उद्देश्य भी यही है कि बच्चों के स्कूली जीवन और स्कूल से बाहर के जीवन में अंतराल नहीं होना चाहिए। पुस्तक को विकसित करते समय इस बात पर अधिक बल दिया गया है कि पुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृत्ति से दूर ले जाया जाए। बच्चों में सर्जना और पहल को विकसित करने के लिए यह अति आवश्यक है कि सीखने और सिखाने की प्रक्रिया में भाग लेने हेतु बच्चों को अधिक अवसर उपलब्ध कराये जाएँ। पुस्तक विकासक्रम में इन बातों पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया है।

दशम वर्ग में शिक्षार्थी के मस्तिष्क का इतना विकास तो हो ही जाता है कि वह लोकतांत्रिक दुनिया की सैर करने के क्रम में लोकतंत्र के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं को समझाने के प्रयास में सक्षम बन सके। इस स्तर के बच्चों में समझ को ध्यान में रखते हुए कोशिश की गई है कि बच्चे लोकतंत्र के 100 वर्ष के विकास एवं विस्तार की चुनौतियों को समझते हुए आधुनिक परिवेश में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था के मूल स्वरूप से परिचित हों। साथ ही इस पुस्तक के विकासक्रम में यह कोशिश भी की गई है कि छात्र लोकतंत्र में शासन व्यवस्था के निर्धारण हेतु साथ ही पुस्तक के विकासक्रम में इस बात पर भी बल दिया है कि शिक्षार्थी लोकतांत्रिक राजनीति में चुनावी राजनीति के केवल सैद्धान्तिक ही नहीं अपितु व्यवहारिक व्यवहार को समझते हुए लोकतंत्र की संसदीय संस्थाओं से परिचित हों तथा उसके व्यावहारिक कार्य को समझें। पुस्तक के अंत में विभिन्न लोकतांत्रिक अधिकारों से छात्रों को परिचित कराने की कोशिश की गई है ताकि छात्र भविष्य में लोकतांत्रिक राजनीति के सहभागी बनने हेतु संवेदनशील रहें।

विषय-सूची

अध्याय 1.	लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी	1 - 31
अध्याय 2.	सत्ता में साझेदारी की कार्यप्रणाली	32 - 66
अध्याय 3.	लोकतंत्र में प्रतिस्पर्धा एवं संघर्ष	67 - 100
अध्याय 4.	लोकतंत्र की उपलब्धियाँ	101 - 110
अध्याय 5.	लोकतंत्र की चुनौतियाँ	111 - 124

एस०सी०ई०आर०टी० सर्वप्रथम इस पुस्तक के विकास में शामिल विद्वत्जनों के प्रति आभार प्रकट करती है, जिनके सहयोग से यह महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हुआ। साथ ही इस पुस्तक के विकास के लिए बनाई गई पाठ्य विकास समिति के सदस्य डॉ० आर० के० लाल, सेवा निवृत्त प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष, पटना विश्वविद्यालय, पटना, डॉ० गांधीजी राय, सेवा निवृत्त प्रधानाचार्य, महाराजा कॉलेज, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, डॉ० शीला कुमारी, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, राजकीय महिला महाविद्यालय, गर्दनीबाग, पटना, डॉ० परमानन्द सिंह, सहायक शिक्षक, राजकीयकृत स्टूडेण्टस साईंटीफिक उच्च विद्यालय, कदमकुँआ, पटना, श्री विजय कुमार सिंह, सहायक शिक्षक, एफ०एन०एस० एकेडमी, गुलजारबाग, पटना, डॉ० मुकेश कुमार राय, स्नातकोत्तर शिक्षक, बी०एन० कॉलेजिएट इंटर स्कूल, पटना, श्री संजय कुमार सुमन, सहायक शिक्षक, विद्यापति उच्च विद्यालय, वाजितपुर, समस्तीपुर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करती है। एन०सी०ई०आर०टी० ने दशम् वर्ग के लिए निर्धारित पुस्तक के कई अंशों एवं महत्वपूर्ण बिन्दुओं का सहारा लिया गया है। हम श्री राम तवक्या तिवारी, विभागाध्यक्ष, सभी व्याख्यातागण, श्री विजय कुमार, आशुलिपिक, मानविकी शिक्षा एवं सामाजिक विज्ञान विभाग एवं सहयोगियों के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं जिनके प्रयत्न से तत्परतापूर्वक निर्धारित कार्य सम्पन्न हुआ।

इस पुस्तक के विकासकार्य को अत्याल्प समय तथा शीघ्रता में तैयार किया गया है। संभव है कहीं-कहीं कुछ त्रुटियाँ रह गयी हों, जिन्हें विद्वत्जनों के सुझाव से अगले संस्करण में सुधारने का प्रयास किया जाएगा।

आशा है लोकतांत्रिक राजनीति की यह पाठ्यपुस्तक बच्चों के लिए लाभदायक, आनन्ददायी एवं रुचिकर सिद्ध होगी । अल्प समय में निर्मित पुस्तक के लिए समालोचनाओं एवं सुझावों का परिषद् स्वागत करेगी । प्राप्त सुझावों के प्रति परिषद् सजग एवं संवेदनशील होकर अगले संस्करण में आवश्यक परिमार्जन के प्रति विशेष ध्यान देगी ।

हसन वारिस
निदेशक प्रभारी
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्,
बिहार, पटना- 800006

दिशाबोध :

- **श्री हसन वारिस** : निदेशक (प्रभारी), राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना-800006
- **श्री रघुवंश कुमार** : निदेशक (शैक्षणिक), बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, (उच्च माध्यमिक प्रभाग), पटना
- **श्री रामतवक्या तिवारी** : विभागाध्यक्ष, मानविकी शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना
- **डा० कासिम खुरशीद** : विभागाध्यक्ष, भाषा शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना

पाठ्य-पुस्तक विकास समिति सदस्य

- डा० गांधीजी राय, अवकाश प्राप्त प्राचार्य, महाराजा कॉलेज, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा
- डा० परमानन्द सिंह, स० शिक्षक, राजकीयकृत स्टूडेण्ट्स साईंटीफिक उच्च विद्यालय, पटना
- श्री विजय कुमार सिंह, स० शिक्षक एफ०एन०एस० एकेडेमी, गुलजारबाग, पटना
- श्रीमती शीला कुमारी, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान, राजकीय महिला महाविद्यालय, गर्दनीबाग, पटना
- डा० मुकेश कुमार राय, स्नातकोत्तर शिक्षक, बी०एन० कॉलेजिएट इंटर स्कूल, पटना
- श्री संजय कुमार सुमन, स० शिक्षक, विद्यापति उच्च विद्यालय, वाजितपुर, समस्तीपुर
- श्रीमती ललिता कुमारी, व्याख्याता, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
- श्रीमती बीर कुमारी कुजूर, व्याख्याता, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

समीक्षक :

- डा० गांधीजी राय, सेवा निवृत्त प्रधानाचार्य, महाराजा कॉलेज, आरा
- प्रो० एम० सी० सिंह, सेवा निवृत्त विभागाध्यक्ष, कॉलेज ऑफ कॉमर्स, पटना
- डा० आर० आर० सिंह, राजनीतिशास्त्र विभाग, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा

समन्वयक :

- डा० रीता राय, व्याख्याता, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

अकादमिक सहयोग :

- इम्तियाज आलम, व्याख्याता, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना